ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, सोमवार 04 नवम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 241

सुप्रीम कोर्ट का सवाल- दिल्ली में पटाखे क्यों चले:सरकार-पुलिस एक हफ्ते में बताए- बैन क्यों नहीं रहा, अगली दिवाली के लिए क्या प्लान



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली के दौरान दिल्ली में कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होने पर दिल्ली सरकार और पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने सुओ-मोटो एक्शन लेते हुए कहा कि राज्य में पटाखों पर बैन का मुश्किल से ही पालन हो सका। कोर्ट ने कहा कि कुछ ऐसा करना होगा ताकि अगले साल दिवाली के दौरान पटाखों पर प्रतिबंध के आदेशों का उल्लंघन न हो।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि बैन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कैंपस सील करने जैसी सख्त कार्रवाई की जरूरत है।

इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त से पटाखों पर प्रतिबंध लागू करने के लिए उठाए गए कदमों पर एक हफ्ते में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी। पराली पर पंजाब-हरियाणा से भी मांगा जवाब

सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी ने बताया कि दिवाली के समय खेतों में आग लगने की घटनाएं बहुत ज्यादा होती हैं। दिवाली से एक दिन पहले 160 खेतों में आग लगी थी, जबकि दिवाली के दिन यह संख्या 605 हो गई। प्रदूषण का प्रतिशत 10 से बढ़कर लगभग 30 हो गया था।

बेंच ने पंजाब और हरियाणा सरकारों से अक्टूबर के आखिरी 10 दिनों के दौरान खेतों में आग लगने और पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने पर 14 नवंबर तक अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार हलफनामा दाखिल करते समय यह भी बताएगी कि क्या राज्य की सीमा के भीतर खेतों में आग लगने की घटनाएं हुई हैं।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, 87 दिन बाद आरोप तय:आरोपी संजय बोला- ममता सरकार मुझे फंसा रही, मुझे मुंह बंद रखने को कहा



24 न्यूज अपडेट

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सियालदह कोर्ट ने कोलकाता आरजी कर कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस के मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। 11 नवंबर से मुकदमे की रोजाना सुनवाई होगी।

सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है।

आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। 9 अगस्त को विक्टिम की बॉडी मिली थी। घटना के विरोध में डॉक्टरों ने 42 दिन तक प्रदर्शन किया था।

CBI ने चार्जशीट में आरोपी माना

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने अपनी चार्जशीट में संजय रॉय को मुख्य आरोपी बताया है। इसके अलावा केस को गैंगरेप की बजाए रेप केस बताया है। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के शरीर से मिला सीमन सैंपल और खून आरोपी से मैच हो चुका है। वहीं क्राइम सीन पर मिले छोटे बाल भी फोरेंसिक जांच के बाद आरोपी के बालों से मैच हो गए हैं।

CBI की चार्जशीट में 100 गवाहों के बयान, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्ट, CCTV फुटेज, फॉरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन जैसी चीजें शामिल हैं। इसके अलावा वारदात के दिन आरोपी का इयरफोन और मोबाइल ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था। इसे भी चार्जशीट में अहम सबूत माना गया है।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है मामला

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस केस में एक्शन लेते हुए डॉक्टरों की सुरक्षा बढ़ाने और वर्कप्लेस पर बेहतर स्थिति के निर्देश दिए थे। कलकत्ता हाईकोर्ट ने केस की जांच कोलकाता पुलिस से लेकर CBI को सौंप दी थी। CBI ने संजय रॉय को इस केस का एकमात्र आरोपी पाया है। हालांकि मामले में शामिल होने के आरोप में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को भी गिरफ्तार किया गया है।

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव की तारीख बदली:14 सीटों पर अब 13 की जगह 20 नवंबर को वोटिंग, त्योहारों की वजह से शेड्यूल बदला

13 नवंबर को 11 राज्यों की 33 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

राज्य	सीट	शहर
राजस्थान	7 सीटें	झुंझनूं, रामगढ़, दौसा, देवली उनियारा, सलूंबर, चौरासी, खींवसर
बिहार	4 सीटें	रामगढ़, बेलागंज, इमामगंज, तरारी
मध्य प्रदेश	2 सीटें	बुधनी, विजयपुर
छत्तीसगढ़	1 सीट	रायपुर दक्षिण।
पश्चिम बंगाल	6 सीटें	सिताई, मेदिनीपुर, नैहाटी, हारोआ, तलडांगरा, मदारीहाट
असम	5 सीटें	बेहाली, ढोलाई, सामागुड़ी, बोंगाईगांव, सिदली
कर्नाटक	3 सीटें	चन्नपटना, शिगगांव, संदूर
सिक्किम	2 सीटें	सोरेंग चाकुंग, नामची सिंघीथांग
गुजरात	1 सीट	वाव
केरल	1 सीट	चेलाक्कारा
मेघालय	1 सीट	गैम्बगिर

रिजल्ट: 23 नवंबर

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की 14 विधानसभा सीटों पर अब 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट 23 नवंबर को ही आएंगे।

चुनाव आयोग के मुताबिक उत्तर प्रदेश की 9, पंजाब की 4 और केरल की 1 विधानसभा सीटों पर अब 20 नवंबर को वोटिंग होगी। तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, RLD और बसपा की मांग पर की गई है।

इन पार्टियों का कहना था कि 15 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल में 13 से 15 नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता।

20 नवंबर को ही महाराष्ट्र विधानसभा की 288 और झारखंड की 38 सीटों पर चुनाव होंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर इसी दिन उपचुनाव है।

11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं

चुनाव आयोग के आज की घोषणा में 11 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं किया गया है। यानी यहां 13 नवंबर को ही वोटिंग होगी। इसी दिन झारखंड विधानसभा की 43 सीटों पर मतदान होंगे। इसके साथ ही केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर भी उपचुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की थी।

क्यों खाली हुई सीटें: 42 सांसद बने, 3 का निधन

48 विधानसभा सीटों में से 42 के विधायक सांसद बने हैं। इनमें सबसे ज्यादा कांग्रेस के 11, भाजपा के 9, सपा- टीएमसी के 5-5 और अन्य दलों के 12 विधायक शामिल हैं। बाकी 6 में से तीन सीटें निधन से खाली हुईं। सपा विधायक के जेल जाने से, सिक्किम में 2 के इस्तीफे और मध्य प्रदेश में एक विधायक के पार्टी बदलने से सीट खाली हुई। केरल की वायनाड सीट राहुल गांधी के इस्तीफे और महाराष्ट्र की नांदेड़ सीट कांग्रेस सांसद के निधन से खाली हुई है।

उत्तराखंड में बस हादसा, 36 की मौत, 6 घायल:कंडम बस में 42 लोग सवार थे, मोड़ पर अनियंत्रित होकर 150 फीट गहरी खाई में गिरी



24 न्यूज अपडेट

अल्मोड़ा. उत्तराखंड के अल्मोड़ा में सोमवार सुबह 8 बजे एक यात्री बस 150 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 घायल हैं। हादसा अल्मोड़ा में मार्चुला के पास हुआ। बस में 42 यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। हादसे की वजह का पता नहीं चला है। बस मोड़ पर अनियंत्रित होकर गिर गई।

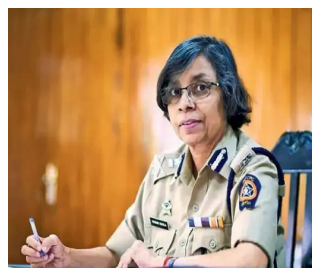
कुमाऊं मंडल के आयुक्त दीपक रावत ने बताया, 'बस नदी से करीब 10 फीट पहले पेड़ में फंसकर रुक गई। खाई में गिरने के दौरान झटके से कई यात्री खिड़कियों से बाहर जा गिरे।' बस किनाथ से रामनगर जा रही थी।

बस में ज्यादातर स्थानीय लोग सवार थे

दिवाली की छुट्टी के बाद सोमवार को पहला वर्किंग डे था। इसलिए बस पूरी भरी हुई थी। ज्यादातर स्थानीय लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि बस गढ़वाल मोटर्स ओनर्स यूनियन लिमिटेड की थी। शुरुआती जांच में पता चला है कि बस की हालत बेहद खराब थी।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र की DGP का ट्रांसफर किया

विपक्ष की शिकायत पर एक्शन, कांग्रेस ने कहा था- रश्मि निष्पक्ष चुनाव नहीं होने दे रहीं



24 न्यूज अपडेट

मुंबई. महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 16 दिन पहले चुनाव आयोग ने DGP रश्मि शुक्ला का ट्रांसफर कर दिया है। चुनाव आयोग ने सोमवार सुबह चीफ सेक्रेटरी को रश्मि के ट्रांसफर के निर्देश देते हुए कहा कि कैडर में अगले सबसे सीनियर IPS अधिकारी को उनका प्रभार सौंपा जाएगा। साथ ही आयोग ने चीफ सेक्रेटरी को निर्देश दिए कि महाराष्ट्र के नए DGP की नियुक्ति के लिए कल (5 नवंबर) दोपहर 1 बजे तक तीन IPS अधिकारियों का पैनल भेजें। रश्मि शुक्ला के खिलाफ महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। कांग्रेस ने कहा था कि रश्मि चुनाव को निष्पक्ष तरीके से नहीं होने दे रही हैं। रश्मि के ट्रांसफर को लेकर शरद पवार ने कहा है कि चुनाव आयोग ने सही फैसला किया है। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं। 1988 बैच की IPS ऑफिसर रश्मि शुक्ला के नाम महाराष्ट्र की पहली महिला DGP बनने का भी रिकॉर्ड है। रश्मि सशस्त्र सीमा बल की महानिदेशक और महाराष्ट्र इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट की प्रमुख भी रह चुकी हैं।

विपक्ष का आरोप- रश्मि भाजपा के लिए काम कर रहीं

शिवसेना (शिंदे) नेता संजय राउत: DGP रश्मि शुक्ला पर बहुत गंभीर आरोप हैं। रश्मि भाजपा के लिए काम करती हैं। 2019 में जब हमारी सरकार थी, तब ये हमारे सारे फोन टैप करवा रही थीं। हमारी पूरी जानकारी फडणवीस को दी जाती थी। क्या हम उनसे निष्पक्ष चुनाव करवाने की उम्मीद कर सकते हैं? चुनाव की बागडोर उन्हें नहीं दी जानी चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले: पिछले कुछ दिनों में विपक्षी दलों के खिलाफ राजनीतिक हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था भी खराब हुई है। DGP कांग्रेस, शिवसेना (UBT) और NCP (SP) के खिलाफ भेदभाव करती हैं। राज्य खुफिया विभाग के आयुक्त के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने फोन टैपिंग कराई थी।

संपादकीय : आतंक और सियासत

जब से जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, वहां आतंकी हमले बढ़ गए हैं। निस्संदेह यह चिंता का विषय है। माना जा रहा था कि विधानसभा चुनाव के बाद वहां स्थानीय लोगों के हाथ में व्यवस्था आएगी तो दहशत का सिलसिला रुक जाएगा। मगर स्थितियां इसके उलट नजर आ रही हैं। वहां सरकार बनने के बाद अब तक पांच आतंकी हमले हो चुके हैं, जिनमें बाहरी मजदूरों और सुरक्षाबलों को निशाना बनाया गया। ताजा घटना बडगाम की है, जिसमें उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मार दी गई। हालांकि हर आतंकी घटना के बाद सेना का तलाशी अभियान तेज हो जाता है और कुछ आतंकियों को मार गिराया जाता है। मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर क्या वजह है कि पिछले दस वर्षों से आतंकवाद समाप्त करने के तेज अभियान के बावजूद इसकी जड़ें घाटी में जमी हुई हैं। सरकार बार-बार दावे करती रही है कि घाटी में आतंकवादियों की कमर टूट चुकी है, वे केवल कुछ क्षेत्रों तक सिमट कर रह गए हैं। मगर हकीकत यह है कि कुछ-कुछ अंतराल पर दहशतगर्द अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। पिछले दस वर्षों से वहां गहन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। अलगाववादी संगठनों के नेताओं और आतंकवादियों को वित्तपोषण करने वालों पर नकेल कसी जा चुकी है। ऐसे बहुत सारे लोगों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है, हजारों बैंक खाते बंद किए जा चुके हैं। सीमा पार से जिन रास्तों से दहशतगर्दों को मदद मिल सकती थी, वे सारे बंद कर दिए गए हैं। इन वर्षों में सारे दहशतगर्द और उनके सरगना मारे जा चुके हैं। इसके बावजूद अगर वहां लक्षित हिंसा का सिलसिला रुक नहीं रहा, सुरक्षा बलों पर घात लगा कर हमले कम नहीं हो पा रहे हैं, तो इसके पीछे क्या वजह हो सकती है ? छिपी बात नहीं है कि घाटी में दहशतगर्दी को पोसने में पाकिस्तान का हाथ है, मगर पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि स्थानीय युवाओं ने भी हाथ में हथियार उठाना शुरू कर दिया है। यह खुलासा खुद सरकार ने किया था, जब कोरोना के बाद घाटी में आतंकवाद से संबंधित रपट पेश की थी। चूंकि कश्मीर की स्थिति ऐसी है, जिसमें केवल राज्य सरकार से आतंकवाद से निपटने का दावा नहीं किया जा सकता। सेना, केंद्रीय सुरक्षाबलों और खुफिया एजेंसियों को इसे रोकने के व्यापक अधिकार दिए गए हैं। इसलिए इस मसले पर अपेक्षाएं केंद्र से ही बनी हुई हैं। ताजा घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने आतंकवाद को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। उनका कहना है कि आतंकवादियों को मारने के बजाय पकड़ कर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए कि वे किसकी शह पर काम कर रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने यह भी शक जाहिर किया है कि नई सरकार बनने के बाद आतंकी हमले तेज होने के पीछे उनकी पार्टी की सरकार गिराने की साजिश भी हो सकती है। आतंकवाद | को किसी सियासी चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। इस तरह उसके खिलाफ चलाए जा रहे अभियान कमजोर पड़ते हैं। अब जम्मू-कश्मीर में नई सरकार बनी है, तो उससे अपेक्षा की जाती है कि वह केंद्र के साथ मिल कर इस समस्या से पार पाने की रणनीति तैयार करेगी और समन्वित रूप से इस दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

खतरे का तापमान

पिछले कई दशक से वैश्विक ताप में बढ़ोतरी चिंता का विषय है। इसकी वजह से समूची दुनिया में गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं। मगर विडंबना है कि इस मसले पर ऐसा कुछ भी ठोस नहीं किया जा रहा, जिससे तापमान संतुलन की उम्मीद जगे उल्टे अब मौसम में उथल-पुथल इस कदर होनी शुरू हो गई है कि जिन महीनों में ठंड की आहट मिलने लगती थी, उनमें तापमान चढ़ा हुआ रहने लगा है, जो आने वाले संकट का संकेत दे रहा है। मसलन, भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, देश में इस वर्ष अक्तूबर का महीना सन 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म रहा और औसत तापमान सामान्य से 1.23 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। यानी एक सौ चौबीस वर्षों के बाद पहली बार अक्तूबर के महीने में मौसम में गर्मी इतनी थी कि उसे सामान्य नहीं माना जा रहा है। अनुमान जताया जा रहा है कि नवंबर में भी अगले दो सप्ताह तक तापमान सामान्य से दो से पांच डिग्री ऊपर बना रहेगा। फिलहाल मौसम के उतार-चढ़ाव ने मौसम विज्ञानियों के सामने भी अध्ययन का नया फलक खोल दिया है। हालांकि बताया जा रहा है कि इस बार पश्चिमी विक्षोभ के अभाव और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवात सहित कई निम्न दबाव वाले क्षेत्रों के बनने से औसत न्यूनतम तापमान ज्यादा दर्ज किया गया। हाल के दशकों में वैश्विक ताप में बढ़ोतरी के लिए जिन कारकों की पहचान की गई है, उसका हल निकालने को लेकर सक्रियता तो दिखती है, मगर जमीनी हकीकत यह है कि जिन देशों को कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है, वहां इसमें कमी करने को लेकर कोई उत्सुकता नहीं दिखती। सारी जवाबदेही विकासशील देशों पर थोप दी जाती है। हालांकि यह समस्या केवल एक या कुछ देशों तक सीमित नहीं है। समूचा विश्व इससे प्रभावित है और मौसम की इस अनियमितता को सभी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। मौसम की अपनी गति होती है और उसमें समय-चक्र के मुताविक तापमान में उतार-चढ़ाव होता रहता है, लेकिन अगर वक्त रहते इस संकट से निपटने के उपाय नहीं किए गए तो इसकी मार को झेलना मुश्किल होता जाएगा।

सोचो-कलेक्टर-सांसद के बंगले के बाहर चार महीने से खुदी होती सड़क, उठते धूल के गुबार तो क्या होता?? महावीरम अपार्टमेंट की बदहाड़ सड़क पर खास रिपोर्ट



24 न्यूज अपडेट

सोचिये कि जिला कलेक्टर के बंगले के पास वाली सड़क चार महीने से सिवरेज लाइन के लिए खोद दी जाती और बार-बार निवेदन करने पर भी ना अफसर सुनवाई करते ना ही नेता ध्यान देते। सोचिये कि हमारे विधायक और सांसद को अपने घर के बाहर की ऐसी सड़क से रोज गुजरना पड़ता जिस पर गिट्टी निकल आई है और रोज ऐसी धूल उड़ती है जो सीधे फेंफडों को खराब करती है। जिसके गुबार घरों में घुस रहे हैं तो क्या होता। सांसद और विधायक को छोड़िये, किसी पार्षद या डबल इंजन की सरकार के किसी पावरफुल नेता के घर की गली होती तो क्या होता। आपको लगेगा कि हम मजाक कर रहे हैं लेकिन सही बात तो यह है कि नेताओं और अधिकारियों ने मिल कर उदयपुर की भोली भाली जनता का मजाक बना कर रख दिया है। कलेक्टर, सांसद विधायक का बंगला होता तो इधर, सिवरेज खुदती, उधर नगर निगम का लवाजमा चकाचक सड़क बनाने की तैयारी कर लेता। लेकिन उदयपुर में हिरण मगरी सेक्टर 4 स्थित न्यू महावीर नगर में महावीरम अपार्टमेंट के बाहर वाली इस बदहाल सड़क को चार महीने हो गए हैं। यहां के लोगों का कुसूर सिर्फ इतना है कि इनके पास ना तो किसी हाई पावर नेता का जेक है ना ही कोई जुगाडु अधिकारी यहां पर रहता है जो सिस्टम के कान मरोड़ कर काम करवा सके। ऐसे में रोज नेताओं ने नम्र निवेदन और हाथाजोड़ी का दौर चल रहा है। पार्षद से लेकर विधायक और सांसद तक चक्कर पे चक्कर और मीठी गोलियों की लगातार डोज दे रहे हैं। लोग तग आ गए हैं व हैरान हैं कि जन प्रतिनिधियों को उन्होंने अपनी सुविधा के लिए चुना है या फिर इसलिए वोट दिया ताकि काम पड़ने पर रोज उनके हाथ जोड़ने पड़ जाएं। बहरहाल आप खुद देख लीजिए कि क्या सूरते हाल हैं। महावीरम अपार्टमेंट में 234 फ्लेट हैं व 750 लोग रह रहे हैं। इस अपार्टमेंट के साथ ही कुंभानगर, महावीर नगर और आस-पास के सघन बस्तियों व बाजार वाले सभी इलाके इसी सड़क से जुड़े हुए हैं। यहां जुलाई के महीने में सिवरेज लाइन की खुदाई की गई थी व लाइन डालने के बाद से यह सड़क यूं ही बदहाली की अवस्था में छोड़ दी गई है। अब सड़क पर कई जगह से गिट्टी निकल आई है व धूल उड़ रही है। सिवरेज के ढक्कन उभर कर रोज दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। क्षेत्रवासी समाजसेवी चार्टर्ड एकाउंटेंट डॉक्टर हितेष कुदाल ने बताया कि जुलाई में इस मार्ग की खुदाई की गई थी। उसके बाद बारिश के कारण क्षेत्र के लोगों को आवागमन में बहुत भारी समस्या का सामना करना पड़ा। तब कई बार बच्चों के स्कूल की बसें भी गड्ढे में फंस गई। बारिश बीतने पर जन प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही सड़क बनवा कर राहत दी जाएगी लेकिन ऐसा नहीं किया गया। अब हालत यह हो गए हैं कि यहां के लोगों का आना जाना व सांस लेना तक मुश्किल हो रहा है। प्रवीण जैन ने बताया कि लोगों में इस बात पर गहरा आक्रोश है। स्थानीय पार्षद तथा प्रशासन को कई बार इस पर अवगत करवाने पर भी कोई ठोस जवाब उनकी तरफ़ से नहीं आया है। दीपावली पर भी स मार्ग को ठीक नहीं करवाया गया जबकि बारिश खत्म होते ही पूरे शहर की सड़कों पर करोड़ों का पेचवर्क किया गया। यहां तक की उप नगरीय गलियों में भी सड़कों को ठीक करवाया गया लेकिन महावीरम अपार्टमेंट वाली सड़क को यूं ही छोड़ दिया गया। यहां मौजूद लोगों ने कहा कि ठेकेदारों के हौसले इसलिए बुलंद होते हैं क्योंकि उनके सिर पर नेताओं का हाथ होता है। मिलीभगत के खेल की वजह से नेता और अफसर दोनों ही ठेकेदारों पर कार्रवाई करने से डरते हैं और जनता को ठेकेदारों के रहमो करम पर छोड़ देते हैं। लोगों ने पूछा कि क्या वे शहर के नागरिक नहीं है, क्या वे सभी प्रकार के टेक्स नहीं भर रहे हैं। उनकी तपस्या में ऐसी कया कमी रह गई है कि उनको धूल फांकने के लिए छोड़ दिया गया है। इसके साथ ही सरकारी एजेंसियों की समयबद्ध जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सिवरेज लाइन की खुदाई के बाद उसे वापस भरने व उस पर सही और व्यवस्थित सड़क बनाना नगर निगम या संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी है। अगर ठेकेदार ऐसा नहीं कर रहा है तो उस पर पेनल्टी लगाई जानी चाहिए। लोगों ने कहा कि यदि शीघ्र ही सड़क का डामरीकरण नहीं किया तो आंदोलन व विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

महिला का कुएं में मिला शवःचार दिन से थी लापता, 3 नवंबर को दर्ज कराई थी रिपोर्ट



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर. डूंगरपुर के सागवाड़ा थाना क्षेत्र के घोटाद गांव में कुएं में लापता महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला पिछले 4 दिन से लापता थी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सागवाड़ा थानाधिकारी प्रभुलाल ने बताया कि घोटाद गांव निवासी आशा पाटीदार (41) 31 अक्टूबर को घर से गायब थी। जिसकी परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं लगा। जिस पर परिजनों ने 3 नवम्बर को थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। सोमवार को सूचना मिली कि घोटाद गांव निवासी नरेश पाटीदार के खेत में स्थित कुएं में एक महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। पुलिस ने मृतक महिला की पहचान आशा पाटीदार के रूप में की। पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर सागवाड़ा अस्पताल की मॉर्चुरी पहुंचाया। जहां पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गैंग का नाम एके-47, काम-मौज-शौक के लिए चोरी, 3 बदमाश गिरफ्तार, 8 वारदातें कबूलीं



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। पुलिस ने अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा करते हुए एक गैंग को पकड़ा जो मौज-शौक के लिए चोरी की वारदातों कर रही थीं। इस गैंग ने रौब जमाने के लिए अपना नाम एके-47 गैंग रखा था। इस गैंग के 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस अंतरराज्यीय चोर गिरोह का खुलासा करते हुए 3 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है तथा दोवड़ा थाना इलाके में हुई चोरी का भी खुलासा किया है। बदमाशों ने डूंगरपुर और गुजरात में कुल 8 वारदातें करना प्रारंभिक पूछताछ में स्वीकार किया है। दोवड़ा थानाधिकारी मदनलाल ने बताया कि घोड़ी आमली निवासी लालू अहारी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह और उसका परिवार गुजरात में मजदूरी करता है। 25 अक्टूबर रात को चोरों ने सूने मकान को निशाना बना दिया। चोर मकान से करीब ढाई किलो चांदी के गहने और करीब 2 तोले सोने के गहने ले गए। जांच के दौरान घोड़ी आमली निवासी अशोक अहारी, नितिन अहारी और प्रवीण अहारी की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। पुलिस ने तीनों को डिटेन किया और पूछताछ की। आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार किया। उन्होंने डूंगरपुर सहित गुजरात में भी चोरी की 7 और वारदातों के बारे में डीटेल दी है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। तीनों ने रौब दिखाने के लिए दोस्तों संग मिल गैंग बनाई जिसका नाम पिस्टल के नाम पर एके-47 रखा। ये चोरियां करते व जो पैसा मिलता उसको अपने मौज-शौक पर उड़ा देते।

पत्नी को लेने ससुराल गए दामाद की मौतःमारपीट कर हत्या करने का आरोप, अस्पताल में तोड़ा दम



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. एक युवक के साथ सुसराल में मारपीट के बाद इलाज के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर अपने बेटे के साथ मारपीट कर उसकी हत्या करने के आरोप लगाए हैं।

मामला बूंदी जिले के डाबी थाने का है। थाने के एएसआई परमेश्वर ने बताया कि एक युवक ने भीलवाड़ा के महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, इस सूचना पर वो भीलवाड़ा हॉस्पिटल पहुंचे। यहां उन्हें मृतक बिजोलिया के लोरदा निवासी धर्मराज पिता मोदू भील (20) की मां और बहन मिली।

मां बोली- बेटे को उसके ससुराल वालों ने पीटा

मां ने आरोप लगाया कि उसका बेटा धनराज 2 दिन पहले अपनी पत्नी को लेने अपने ससुराल रामनगर डाबी गया था। जहां किसी बात से नाराज होकर ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की। उसे भीलवाड़ा महात्मा गांधी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान धर्मराज ने दम तोड़ दिया।

बहन बोली- फोन आया था, इसे ले जाओ वरना मार डालेंगे

मृतक की बहन सुगना भील ने बताया कि उसके भाई की पत्नी दो-तीन महीने से अपने पीहर में ही रह रही थी और धर्मराज उसे लेने सुसराल गया था। शनिवार रात 9 बजे धनराज के ससुराल से फोन आया था कि इसे यहां से ले जाओ वरना इसे मार डालेंगे। इस पर हम उसके ससुराल पहुंचे थे, जहां धनराज घायल हालत में मिला था। जब उनसे धर्मराज के घायल होने की बात पहुंची तो वो लड़ने लगे और ढंग से जवाब नहीं दिया। इस पर हम उसे महात्मा गांधी हॉस्पिटल में इलाज के लिए लेकर आए, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया और परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

घर बैठे मतदान कर दिखाई लोकतंत्र के प्रति आस्था



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 4 नवम्बर। सलूम्बर विधानसभा उपचुनाव-2024 के तहत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सोमवार से होम वोटिंग का प्रथम चरण प्रारंभ हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में होम वोटिंग टीमों ने बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं के घर-घर पहुंच कर मत की गोपनीयता का पूर्ण ध्यान रखते हुए उनसे मतदान कराया। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से नियुक्त सामान्य प्रेक्षक जे विजयारानी ने होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया। घर बैठे मतदान का अवसर पाकर मतदाताओं ने खुशी व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग तथा जिला प्रशासन की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

रिटर्निंग अधिकारी सलूम्बर पर्वतसिंह चुण्डावत ने बताया कि प्रथम दिन 66 वरिष्ठ नागरिक तथा 14 दिव्यांगजन सहित कुल 80 मतदाताओं की होम वोटिंग के लक्ष्य के मुकाबले क्रमशः 65 वरिष्ठ नागरिकों और 14 दिव्यांग सहित कुल 79 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस प्रकार प्रथम दिन 98.75 प्रतिशत मतदान हुआ।

सामान्य प्रेक्षक ने किया निरीक्षण

सामान्य प्रेक्षक जे विजयारानी ने सलूम्बर विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया। सामान्य प्रेक्षक ने मतदान दलों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अक्षरशः पालना करने तथा मत की गोपनीयता किसी भी स्थिति में भंग नहीं होने देने के निर्देश दिए।

होम वोटिंग टीमों का प्रशिक्षण

उदयपुर जिला मुख्यालय पर जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अरविंद पोसवाल के निर्देशन में होम वोटिंग के लिए गठित दलों का प्रशिक्षण हुआ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ की उपस्थिति में हुए प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. महामाया प्रसाद चौबीसा ने टीमों को भारत निर्वाचन आयोग की गाइड लाइन, होम वोटिंग के लिए अपेक्षित सावधानियां, मत की गोपनीयता, मतदान पूर्व व मतदान पश्चात की रिपोर्टिंग आदि के संबंध में प्रशिक्षण दिया। दल में एक एमओ, एक पीआरओ, एक पीओ-प्रथम, एक पुलिसकर्मी व एक वीडियोग्राफर शामिल रहे। प्रशिक्षण के उपरान्त दलों ने आवंटित क्षेत्रों के लिए प्रस्थान किया।

दूरदराज क्षेत्रों में पहुंच कर कराया मतदान

होम वोटिंग का प्रथम चरण सोमवार से प्रारंभ हुआ। 8 नवम्बर तक चलने वाले प्रथम चरण में टीमें 85 वर्ष से अधिक आयु के तथा 40 प्रतिशत से अधिक विकलांगता वाले दिव्यांगजनों जिन्होंने होम वोटिंग का विकल्प चुना है, उनके घर-घर जाकर मतदान कराएगी। प्रथम चरण में अनुपस्थित पाए गए मतदाताओं को 9 एवं 10 नवम्बर को होने वाले द्वितीय चरण में अवसर दिया जाएगा। दोनों ही चरणों में अनुपस्थित रहने वाले मतदाताओं को मतदान का अवसर नहीं मिलेगा। वे मतदाता बूथ पर जाकर भी अपने मताधिकार का उपयोग नहीं कर पाएंगे।

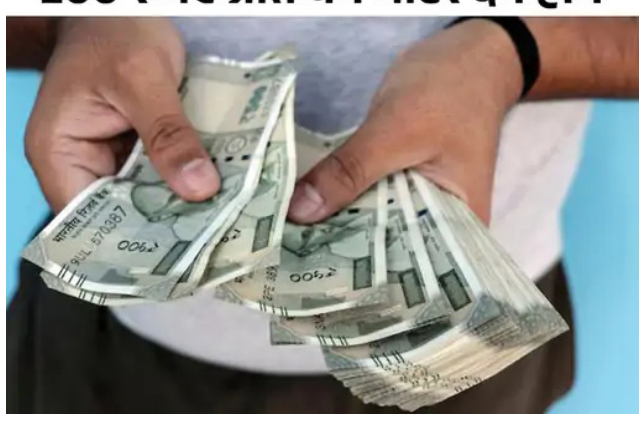
683 मतदाता होम वोटिंग के लिए चिन्हित

विधानसभा क्षेत्र सलूम्बर में होम वोटिंग के अंतर्गत कुल 683 मतदाता वोटिंग करेंगे जिनमें 85$ श्रेणी के 588 मतदाता एवं निशक्तजन (40 प्रतिशत से अधिक) श्रेणी के 95 मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से होम वोटिंग करेंगे। प्रथम दिन टीमों ने बेहुती, उदयपुरिया जागीर, वेजपुर, निम्बोदा, सगतडा, बडावली, लोदा, डाल, नामचोत डाल, सेरिया कन्तोडा, बडगाँव, करेली, करावली, सलूम्बर, खोडाव व अगाटिया में घर-घर जाकर चिन्हित मतदाताओं से मतदान कराया।

मंगलवार 5 नवंबर को टीमें सिंघटवाडा, डेकली, चावंड, अम्बाला, मायर, सगतडा, बडावली, गुडेल, बरोडा, बांरा, नोली, थडा, सेरिया, अदवास, कड़ीमंगरी, सल्लाडा, माकडसीमा, दोलपुरा, चिबोड़ा, राठोड़ो का गुडा, सूरो का कुआ सलुम्बर, बस्सी सामचोत, खेतावतपुरा, बडगांव, बाणा खुर्द में होम वोटिंग कराएंगी। 6 नवम्बर को नेवातलाई, कोटडी, पाडला, खोडी मऊडी, झालरदेवी, नाल हल्कार, सराडा, पाल सराडा, केजड, नीमच चंदोडा, सगतपुर, ओडा (रठोड़ा), रठोड़ा, कोटा, कांट, रतनपुरा, भानपुर, धारोद, दुदर, डांगीवाडा मेथुड़ी, पादरडा, श्यामपुरा (गातोड), वीरपुरा, दवाणा, जूनीझर, जावद, खरका, पानी कोटडा, सराडी, सिंघावली, ओरवाडिया, कानपुरा, अदकालिया, लकीपा, सलूम्बर, सीपुर ढानी व सीपुर मल्लाडा 7 को झाडोल, ढानी मेलाना, परसाद, डेलवास, सेपुर, नावडा, सुरखंड खेडा, देवली, एमनिया पाडला, इंटाली खेडा, बस्सी झुन्झावत, बस्सी जोयरा, खेराड, तुलसियों का नामला, बामनिया, रुआव, खीरावाडा, बिचली मंगरी, उथरदा, कराकली, गातोड, अमरपुरा, धावडिया, जवारडा, नयी झर, वेळवडी, पाराई सलुम्बर, गावड़ापाल, इसरवास, डईला, जैतपुरा व इडाणा और 8 नवम्बर को बलुआ, बेडा बलुआ, सेपुर, कोलर, सुरखंड खेडा, इंटाली, इंटाली पाल, गुडियावाडा, खेराड, बस्सी झुन्झावत, महादेव खेडा, बस्सी सिंघावत, बुझाडा, हीकावाडा, अमलोदा, नौखली, समोड़ा, बंजारों का टांडा, जवारडा, गींगला, मोकातफला, करमातालाब, डिंगरी, मगरा थोरी, सेमाल, भारिया, खरबर, हामीतड, गावड़ापाल, उपलाफला एवं मैथुड़ी में मतदान दल पहुंचकर पात्र मतदाताओं को होम वोटिंग से मतदान करवाएंगे।

गांवों से शहरी क्षेत्र में आई जमीनों के मिलेंगे पट्टे:सरकार ने तय की कीमत, पहले 2.50 लाख रुपए तक थी; अफसरों के अधिकारों में कटौती

200 रुपए प्रति वर्ग मीटर देने होंगे



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. नगरीय निकायों में आई अकृषि जमीनों (आबादी क्षेत्र में आई कृषि की जमीन जो भू-उपयोग परिवर्तन की गई) का फ्री होल्ड पट्टा देने को लेकर कीमत तय कर दी है। अब जमीन के खातेदार या मालिक पट्टा 200 रुपए प्रति वर्ग मीटर का शुल्क देकर पट्टा ले सकेंगे। ये शुल्क उन जमीनों के लिए निर्धारित किया है, जिनका भू-उपयोग परिवर्तन (कृषि से अकृषि) कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम के स्तर पर पहले हो चुका है, लेकिन उनका पट्टा अब तक जमीन मालिक या खातेदार के पास नहीं है। स्वायत्त शासन विभाग ने प्रदेश के नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम क्षेत्रों में आने वाली इन जमीनों को लेकर आदेश जारी कर दिए। दरअसल, राजस्थान की कई छोटी-बड़ी नगरीय निकाय ऐसी हैं, जिनके क्षेत्र में आ रही जमीनों के पट्टे नहीं है। ये जमीन पहले ग्रामीण एरिया में थी। तब इनके खातेदार या मालिक इन जमीनों का भू-उपयोग परिवर्तन (कृषि से अकृषि) कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम के स्तर पर करवा चुके हैं। इन जमीनों का अब तक पट्टा (लीज डीड) नहीं है। आबादी एरिया (शहरी क्षेत्र) में जमीन आने के बाद पट्टा संबंधित निकाय जारी करती है। 2.50 लाख रुपए था अधिकतम शुल्क इस तरह की जमीनों का पट्टा लेने के लिए पहले शुल्क तय नहीं था। 10 से 2.50 लाख रुपए तक का शुल्क लेकर निकाय इन जमीनों के पट्टे जारी कर देती थी। प्रशासन शहरों के संग अभियान के दौरान भी इस तरह की जमीनों का पट्टा अलग-अलग रेट से दिया किया गया था। अब सरकार ने सभी जगह के लिए 200 रुपए प्रति वर्ग मीटर का शुल्क निर्धारित कर दिया है। जमीन को निकायों के प्रति सरेंडर करने के बाद जमीन का मालिक ये शुल्क जमा करवाकर पट्टा ले सकेगा।

SMS हॉस्पिटल के ऑक्सीजन प्लांट में लगी आग:MCB बॉक्स में हुआ शॉर्ट सर्किट, आग बुझाकर की स्थित कंट्रोल

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (SMS) के ऑक्सीजन प्लांट में सोमवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। ऑक्सीजन प्लांट में MCB बॉक्स में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगी थी। हॉस्पिटल प्रशासन ने आग बुझाकर तुरंत स्थित कंट्रोल में किया।

SMS हॉस्पिटल स्टाफ के मुताबिक, सोमवार दोपहर हॉस्पिटल के ऑक्सीजन प्लांट में MCB बॉक्स में शॉर्ट सर्किट हुआ। शॉर्ट सर्किट से MCB बॉक्स से आग की लपटे उठने लगी। ऑक्सीजन प्लांट में शॉर्ट सर्किट से आग लगने का पता चलने पर हॉस्पिटल में हड़कंप मच गया। हॉस्पिटल प्रशासन ने तुरंत आग बुझाकर स्थित कंट्रोल पाया। समय रहते आग पर काबू पाने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना में हर माह मिलेंगे 2 हजार:30 नवम्बर तक कर सकते हैं आवेदन, छात्रों के लिए अल्पसंख्यक विभाग की पहल



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजनान्तर्गत जिला मुख्यालय पर संचालित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के राजकीय महाविद्यालय (माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय भीलवाड़ा) के शैक्षिक पाठ्यक्रमों (कला, विज्ञान एव वाणिज्य संकाय हेतु) में अध्ययनरत अल्पसंख्यक समुदाय (जैन, सिक्ख, मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध, पारसी) के छात्रों को (केवल बालक) जो घर से दूर रहकर भीलवाड़ा मुख्यालय पर कमरा किराये पर लेकर (पेइंग गेस्ट के रूप में) अध्ययन करते है।

उन छात्रों के लिए आवास, भोजन एवं बिजली-पानी इत्यादि सुविधाओं के लिए पुनर्भरण राशि के रूप में अम्बेडकर डीबीटी वाउचर के अन्तर्गत राशि रू 2000/- प्रतिमाह प्रतिवर्ष (अधिकतम 10 माह के लिए) दी जावेगी।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आजाद खान पठान ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम डेट 30 नवम्बर है। इच्छुक और पात्र स्टूडेंट एसएसओ पोर्टल https://www.sso.rajasthan.gov.in से एवं http://sjms.rajasthan.gov.in पर SJMS SMS APP से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। योजना के बारे में अधिक डिटेल जानकारी के लिये ऑफिस टेलीफोन नंबर 01482-232086 पर संपर्क किया जा सकता है।

30 हॉस्पिटलों में अधीक्षक पद पर होंगे इंटरव्यू:मेडिकल एज्युकेशन विभाग ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज समेत 6 कॉलेजों से अटैच हॉस्पिटलों के लिए मांगे आवेदन

24 न्यूज अपडेट

जयपुर. मेडिकल एज्युकेशन डिपार्टमेंट ने जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज समेत प्रदेश के अन्य 5 मेडिकल कॉलेज से अटैच सरकारी हॉस्पिटल में नए अधीक्षक लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। विभाग ने इसके लिए आज से आवेदन मांगे है, जिसके बाद आवेदन करने वालों के इंटरव्यू लिए जाएंगे। आवेदन 6 नंवबर तक मांगे हैं। विभाग ने जयपुर में एसएमएस हॉस्पिटल के अलावा स्टेट कैंसर हॉस्पिटल, जेके लोन, सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, पं. दीनदयाल उपाध्याय गणगौरी हॉस्पिटल, कावंटिया हॉस्पिटल, सैटेलाइट बनीपार्क और एस.आर गोयल हॉस्पिटल सेठी कॉलोनी में अधीक्षक पद के लिए आवेदन मांगे हैं।

इसके अलावा जोधपुर स्थित मेडिकल कॉलेज से अटैच 7 हॉस्पिटल, कोटा मेडिकल कॉलेज से अटैच 5 हॉस्पिटल, उदयपुर मेडिकल कॉलेज से अटैच 4 हॉस्पिटल, बीकानेर मेडिकल कॉलेज से अटैच 4 हॉस्पिटल और अजमेर मेडिकल कॉलेज से अटैच 2 हॉस्पिटल में अधीक्षक लगाने के लिए भी आवेदन मांगे है। मई-जून में हुए इंटरव्यू किए खारिज इससे पहले जयपुर के हॉस्पिटलों में अधीक्षक पद पर नियुक्ति के लिए इंटरव्यू मई-जून में इसी साल करवाए गए थे। लेकिन उनका रिजल्ट जारी किए बिना ही सरकार ने इन सभी इंटरव्यू को रद्द करते हुए नए सिरे से आवेदन मांगे। हालांकि इन आवेदनों को क्यों खारिज किया गया, इसके पीछे कोई ठोस वजह नहीं बताई गई।

ब्यूटीशियन केस में बाजार बंद, 24 घंटे का अल्टीमेटम:बोले- जोधपुर पुलिस ने आसाराम को पकड़ा था, रफू करने वाला उनकी पहुंच से दूर कैसे?



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर. ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड को लेकर परिजन 5 दिन से धरने पर बैठे हैं। हत्या के विरोध में सरदारपुरा व्यापार मंडल ने सोमवार को बाजार बंद रखा। धरने में मौजूद लोगों ने कहा- जोधपुर पुलिस तो आसाराम जैसे बड़े आरोपी को गिरफ्तार कर लाई थी। सामान्य सा रफू का काम करने वाला (गुलामुद्दीन) उनकी पहुंच से बाहर कैसे हो सकता है। ये कोई बड़ा षड्यंत्र है। परिजनों ने 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए खुद ही धरना समाप्त करने की बात भी कही है।

धरने पर मौजूद परिजनों और व्यापार मंडल के लोगों ने 5 मांगें रखी है- इसमें 1 करोड़ का मुआवजा, सरकारी नौकरी, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी, हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज से मामले की जांच और जिम्मेदार अधिकारियों को पुलिस कमिश्नरेट से हटाने की मांग की है। 5 दिन के घटनाक्रम में पुलिस के हाथ अब तक आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा है। उसे 5 दिन की रिमांड पर लिया गया है। वहीं पुलिस के लिए 4 बड़े सवाल हैं जो इस हत्या की गुत्थी सुलझा सकते हैं।

बड़े षड्यंत्र की आशंका जताई

धरने पर मौजूद RLP कार्यकर्ता संपत पूर्णिया ने कहा- परिजन धरने पर हैं लेकिन समाज का कोटा नेता उनसे मिलने नहीं आया। वो लोग आहत हैं। 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया है अगर कोई समाज का नेता या पार्टी के नेता आकर उन्हें मदद करने का आश्वासन देते हैं तो ठीक। नहीं तो कल 1 बजे शव मॉर्च्युरी से ले लेंगे और पुलिस में दी रिपोर्ट भी वापस ले लेंगे। पूर्णिया ने कहा- जोधपुर पुलिस आसाराम जैसे बड़े आरोपी को गिरफ्तार कर सकती है फिर एक रफू करने वाला व्यक्ति उनसे कैसे बच सकता है। इसके पीछे षड्यंत्र सामने आ रहा है। मालूम नहीं आरोपी को मार दिया गया हो या उसे बचाने की कोशिश की जा रही हो।

हत्या के बाद से आरोपी फरार

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में लूट के हत्या करना सामने आया था। तभी से लेकर आरोपी गुलामुद्दीन अपने घर से फरार है। वहीं आबिदा का कहना है- वह हत्या के दिन घर पर नहीं थी। वह पीहर गई थी, हत्या क्यों और कैसे हुई यह सब उसके पति गुलामुद्दीन को पता है। फिलहाल आबिदा 5 दिन की रिमांड पर है। अनीता घर जोधपुर के सरदारपुरा इलाके के ब्यूटी पार्लर चलाती थी। 26 अक्टूबर की दोपहर वह अपने ब्यूटी पार्लर को बंद कर एक रिक्शे में बैठ कर गंगाणा इलाके के लिए निकली थी। इसके बाद से उनका फोन बंद था। अगले ही दिन पति मनमोहन ने उनकी मिसिंग रिपोर्ट सरदारपुरा थाने में दर्ज करवाई थी। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी आबिदा को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या के मामले का खुलासा हुआ था। 30 अक्टूबर की रात पुलिस को गुलामुद्दीन के घर के पास 10 फीट के गड्ढे में 6 टुकड़ों में एक बोरे में भरी अनीता की लाश मिली थी। इसके बाद से ही सरदारपुरा इलाके के व्यापारियों के रोष व्याप्त है। वहीं परिजन भी यहां धरने पर बैठे हैं।

बच्ची की हत्या कर 10 टुकड़े करने वाले दरिंदे को मौत की सजा

- माता-पिता को चार-चार साल की कैद, हाथोंहाथ जमानत
- दोषी ने कोर्ट से बाहर आते हुए कहा- मैं निर्दोष हूं, मेरे माता-पिता को बचाने के लिए यह सब किया
- दिनभर पोर्न साइट देखता था दरिंदा



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट . उदयपुर। मावली मर्डर केस में आज कोर्ट का फैसला आ गया है। मासूम बच्ची से दरिंगदी के बार टुकडे टुकड़े करके उसकी हत्या करने वाले दरिंदे को पोक्सो कोर्ट 2 ने आज मौत की सजा सुनाई है। रेप के बाद 8 साल की बच्ची की हत्या और उसके शव के 10 टुकड़े करने के मामले में सोमवार को उदयपुर पॉक्सो-2 कोर्ट ने कमलेश को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। दोषी के माता-पिता को 4-4 साल की सजा सुनाई है। हालांकि दंपती ने जमानत याचिका दायर कर रखी थी, ऐसे में उन्हें जमानत दे दी गई। मामले में कोर्ट ने 8 दिन पहले मुख्य आरोपी कमलेश (21) सहित उसके मामा-पिता को साक्ष्य मिटाने और सहयोग करने के आरोप में दोषी करार दिया था। मामले में आरोपी के वकील ने कोर्ट से समय मांगा था। जिस पर जज ने उन्हें 4 नवंबर तक का समय दिया था। दोषी ने कोर्ट से बाहर आते हुए कहा- मैं निर्दोष हूं, मैंने ये सब मेरे माता-पिता को बचाने के लिए किया है। मुझ पर दबाव बनाया गया है, मैं हाईकोर्ट में अपील करूंगा। मेरे मम्मी-पापा को बचाने के लिए सजा मोल ली है। आपको बता दें कि मावली थाना क्षेत्र में 29 मार्च 2023 का यह मामला था। इसमें हत्या के बाद आरोपी ने शव के किए थे 10 टुकड़े। बोरे में डाल कर खंडहर में छुपाया था शव। पीठासीन अधिकारी संजय कुमार भटनागर ने आज यह फैसला सुनाया जिसका इंतजार था। पुलिस ने जो चार्जशीट कोर्ट में पेश की उसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मावली के लोपाड़ा गांव में दो साल पहले 29 मार्च को 8 साल की बच्ची से रेप और हत्या के आरोपी कमलेश के खिलाफ कुल 306 पन्नों की इस चार्जशीट में उस दरिंगदी का जिक्र है जो उस मासूम के साथ की गई। बच्ची से दुष्कर्म और हत्या से पहले आरोपी ने 30 बार पोर्न फिल्म देखी थी। जब वह घर में बैठा पोर्न फिल्म देख रहा था। तभी अचानक उसे रोड पर बच्ची जाती हुई दिखाई दी। उसने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने अपने घर में बुलाया और उसका मुंह दबा कर बाथरूम की तरफ ले गया। इस दरिंदे ने उसके साथ तब तक हैवानियत की जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। आरोपी मृतक बच्ची के घर के पास ही रहता था और वह बच्ची इसे भैया कहकर बुलाती थी। रक्षा बंधन पर राखी बांधती थी। अपनी मुंहबोली बहने से दरिंदगी ओर हत्या के बाद भी हत्यारे का ना तो पछतावा हुआ ना ही उसे पुलिस का डर लगा। उसने छुरी ली और मासूम की लाश के 10 टुकडे कर दिए और थैलियों में भरकर बाथरूम में छिपा दिए। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस कांड में हद तो तब हो गई जब एक दिन जब उसके माता और पिता ने बाजाय दरिंदे को पुलिस को सौंपने के। उसका इस खौफनाक कृत्य में साथ दिया और सब मिलकर रात के अंधेरे में पास के खंडहर में लाश को थैलियों में भरकर फेंक कर आ गए। यह दरिंदा इस हद तक विक्षिप्त और बेखौफ था कि किसी प्रोफेशनल मर्डरर की तरह से कत्ल वाली रात को जागरण में गया और खूब नाचा। उसके अगले दिन भी धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर ढोल बजाया। यही नहीं मामले की जांच के लिए जब-जब पुलिस आती, वो भी मौके पर पहुंच जाता। नेता आते तो उनके साथ घूमने लग जाता। कमलेश तीन दिन तक नाटक करता रहा लेकिन आखिरकार डॉग स्क्वॉड के आते ही वो पकड़ा गया। बच्ची की लाश मिलते ही एक के बाद एक मर्डर मिस्ट्री की सारी परतें खुलकर सामने आ गई। आज उदयपुर पॉक्सो-द्वितीय कोर्ट ने जो फैसला सुनाया है वह दरिंदों के साथ ही समाज को भी सबक देने वाला है। कोर्ट ने मुख्य आरोपी 21 वर्षीय युवक कमलेश राजपूत सहित उसके माता-पिता को साक्ष्य मिटाने व सहयोग का दोषी करार दिया है। कमलेश का पिता रामसिंह और उसकी मां किशन कंवर तब से पुलिस की गिरफ्त में है।

पोर्न की लत समाज को कर रही खोखला

इस बारे में मनोवैज्ञानिकों की राय है कि पोर्न की लत समाज को खोखला कर रही है व युवा बेखौफ होकर अपराध की राह पर अग्रसर हो रहे हैं। इस मामले में पोर्न देखने की वजह से युवक ने जघन्य अपराध किया। यदि उसका समय रहते मनोवैज्ञानिक उपचार हो जाता तो शायद यह नौबत नहीं आती। इसके अलावा पूरा सरकारी सिस्टम भी जिम्मेदार है जिसमें फोन पर पोर्न साइट देखने की छूट दी हुई है। लोग आसानी से बटन दबाते ही पोर्न देख पा रहे हैं। बकायदा इसकी साइट्स बनी हुई है व एप भी चल रहे हैं। ऐसे में समय रहते उन पर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में और भी अधिक स्थिति गंभीर हो सकती है।

पुलिस पर उठे सवाल

इस मामले में पुलिस पर भी सवाल उठे हैं जिसमें कहा गया है कि तीन दिन तक पुलिस से बच्ची के माता-पिता कहते रहे कि बच्ची गुम हो गई है मगर उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। आखिरकार जब उदयपुर व मावली में समाज का दबाव बना व जंगी प्रदर्शन हुआ तब जाकर पुलिस चेती। इससे साबित हो गया कि पुलिस भी केवल उन्हीं मामलों में जागती है जहां पर समाज या पॉलिटिक्स का दबाव आता है। धड़, हाथ-पैर सहित पूरे शरीर के किए थे 10 टुकड़े चार्जशीट के मुताबिक आरोपी कमलेश ने बाथरूम में ही पत्थर-छुरी से बच्ची के हाथ-पैर, धड़ सहित पूरे शरीर के अलग-अलग 10 टुकड़े किए थे। फिर उन टुकड़ों को अलग-अलग थैली में भरा था। थैलियों को टॉयलेट में छिप दिया था। कमलेश के माता-पिता को घटना की खबर दूसरे दिन 30 मार्च को लगी थी। तीनों ने मिलकर शव को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया था। रात 11 बजे कमलेश शव के टुकड़ों से भरी बोरी घर से करीब 200 मीटर दूर बने खंडहर में फेंकने गया था। इस बीच कमलेश का पिता रामसिंह घर के बाहर ओर मां किशन कंवर खंडहर के बाहर खड़ी रही।

घाटोल में जगद्गुरु शंकराचार्य का मंगल प्रवेश 6 नवम्बर को
भव्य कलश व पौथी यात्रा के साथ होगा भागवत का आयोजन

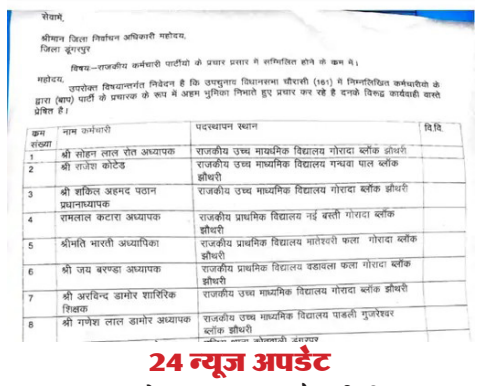


24न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. घाटोल कस्बे में 6 से 13 नवंबर तक भागवत कथा का आयोजन होगा। इसके सफल आयोजन को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। भागवत कथा के मुख्य यजमान नरेंद्रदास वैष्णव होंगे। 8 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में भागवत कथावाचक मेवाड़ महामंडलेश्वर चेतनदास महाराज सांवरिया धाम आश्रम मूंगाणा ने चित्तौड़गढ़ के सानिध्य में संत अनुजदास महाराज कथा करेंगे।

6 नवंबर को गणेश स्थापना, पोथी व कलश यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें 6 नवंबर को भानपुरा ज्योतिर्मठ की अवांतर पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज स्वामी ज्ञानानंद का आशीर्वचन प्राप्त होगा। 6 से 12 नवंबर तक दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक भागवत कथा होगी। 13 नवंबर को गंगोद्यापन व महाप्रसादी का आयोजन होगा। 8 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम में यजमान नरेंद्र दास परिवार के सौजन्य से श्रद्धालुओं के भोजन प्रसादी व ठहरने की व्यवस्था होगी। पोथी यात्रा में शिरकत करेंगे भानपुरा पीठाधीश्वरभागवत कथा के शुभारंभ के अवसर पर भानपुरा पीठ के शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंदजी तीर्थ 2 दिवसीय दौरे पर 6 नवंबर को आएंगे। मुख्य यजमान नरेंद्रदास वैष्णव सहित आयोजन समिति शंकराचार्य के आगमन और स्वागत की तैयारियों में जुट गए हैं। आगमन के दौरान कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जगतगुरु शंकराचार्य सेवा समिति भानपुरा मठ से करीब 15 वर्षों से जुड़े अनुयायी ठा.नरहरी सिंह राठौड़ ने बताया कि स्वामीजी का विधिवत कार्यक्रम आ चुका है। 6 नवम्बर को घाटोल कस्बे में भव्य मंगल प्रवेश होगा। स्वामीजी कोटा, सैलाना,होते हुए राजस्थान की सीमा में करीब साढ़े 10 बजे के के लगभग पहुचने पर स्वामीजी की गेमन पुल पर भव्य स्वागत के साथ अगवानी की जाएगी। इसके बाद वहा से घाटोल कस्बे में भव्य मंगल प्रवेश होने पर श्रद्धा के साथ अगवानी की जाएगी। दीप प्रज्जवलन के बाद के साथ आठ दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। 7 नवम्बर को 12 बजे उनका दिव्य प्रवचन होगा जिसमें सभी 36 कौम सनातन धर्मावलंबी के आशीर्वचन का लाभ लेंगे। 5 वर्षो बाद मिला सौभाग्यराठौड़ ने बताया की करीब 5 वर्ष पूर्व शंकराचार्य देलवाड़ा गांव में आयोजित तुलसी विवाह के धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की थी। इसके बाद घाटोल नगरवासियों को यह सौभाग्य प्राप्त होगा।

42 सरकारी कर्मचारियों ने किया चुनावी प्रचार,
2 निर्दलीय उम्मीदवारों की शिकायत पर जांच के आदेश



सेवामें,
श्रीमान जिला निर्वाचन अधिकारी महोदय,
जिला डूंगरपुर

विषय—राजकीय कर्मचारी पार्टीयो के प्रचार प्रसार मे सम्मिलित होने के कम मे।

महोदय,
उपरोक्त विधानसभा उपचुनाव मे कि उपरयुक्त विधानसभा चौरासी (161) मे निम्नलिखित कर्मचारीयो के द्वारा (बाप) पार्टी के प्रचारक के रूप मे अहम भुमिका निभाते हुए प्रचार कर रहे है जनके विरुद्ध कार्यवाही बारसे प्रेषित है।

क्रम संख्या	नाम कर्मचारी	पदस्थापन स्थान	वि.वि.
1	श्री सोहन लाल रोत अध्यापक	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोरादा ब्लॉक झोथरी	
2	श्री राजेश कोटेड	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गन्धवा पाल ब्लॉक झोथरी	
3	श्री शकिल अहमद पठान प्रधानाध्यापक	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोरादा ब्लॉक झोथरी	
4	रामलाल कटारा अध्यापक	राजकीय प्राथमिक विद्यालय नई बस्ती गोरादा ब्लॉक झोथरी	
5	श्रीमति भारती अध्यापिका	राजकीय प्राथमिक विद्यालय मातेश्वरी फला गोरादा ब्लॉक झोथरी	
6	श्री जय बरण्डा अध्यापक	राजकीय प्राथमिक विद्यालय वडावला फला गोरादा ब्लॉक झोथरी	
7	श्री अरविन्द डामोर शारिरिक शिक्षक	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोरादा ब्लॉक झोथरी	
8	श्री गणेश लाल डामोर अध्यापक	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाडली गुजरेश्वर ब्लॉक झोथरी	

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. डूंगरपुर। चौरासी विधानसभा उप चुनावों में अब सरकारी कर्मचारियों की एंट्री हो गई है। वे प्रचार कर रहे हैं। 2 निर्दलीय प्रत्याशियों ने 42 सरकारी कर्मचारियों की शिकायत पर विशेष राजनीतिक दल के प्रत्याशी का चुनाव प्रचार करने की शिकायत की है। शिकायत और रिटर्निंग अधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं। शिक्षक, पुलिसकर्मी, ग्राम विकास अधिकारी, स्वास्थ्य कर्मी और अन्य कार्मिक शामिल है। आचार संहिता में सरकारी कर्मचारी प्रचार नहीं कर सकते। राजनीतिक पार्टियों का प्रचार प्रसार या किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होने के सख्त निर्देश है। इसके बाद भी वे नहीं मान रहे हैं। चौरासी विधानसभा सीट पर उप चुनाव के प्रचार के दौरान 42 सरकारी कर्मचारियों पर एक पार्टी विशेष के कैंडिडेट का प्रचार करने की शिकायत की गई है। निर्दलीय उम्मीदवार प्रवेश भगोरा ने 28 सरकारी कर्मचारियों पर विशेष पार्टी के प्रत्याशी के लिए प्रचार करने की शिकायत की है। निर्दलीय जीवराम आमलिया ने 14 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ शिकायत की है। केंडिडेट ने कर्मचारियों की सूची जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपी है। इसमें सबसे ज्यादा पंचायती राज से जुड़े कर्मचारी, पटवारी, गिरदावर, शिक्षक, एएनएम, पुलिसकर्मी, ग्राम विकास अधिकारी समेत कई विभागों के कर्मचारी है। इस जिला निर्वाचन अधिकारी ने सीमलवाड़ा रिटर्निंग अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच के आदेश दिए है। अगर ये बात सही है तो यह बहुत ही गंभीर मामला है।

पुलिस व एफएसटी टीम ने 2 लाख 25 हजार रुपए की नकदी जब्त की



24न्यूजअपडेट

विधानसभा उपचुनाव को लेकर नाकाबंदी के दौरान सराड़ा थाना पुलिस व एफएसटी 3 टीम की ओर से 2 लाख 25 हजार रुपए की नकदी जब्त की गई। सराड़ा थाना पुलिस व एफएसटी 3 टीम की ओर से सलूंबर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सराड़ा पुलिस थाने के बाहर नाकाबंदी के दौरान कुल 2 लाख 25 हजार रुपए की नकदी जब्त की गई। सराड़ा थाना प्रभारी हेमंत अहारी ने बताया कि सलूंबर में आगामी विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर सराडा थाना टीम व एफएसटी टीम क्रम संख्या 3 विधानसभा क्षेत्र की ओर से सोमवार को नाकाबंदी के दौरान एक गाडी से चेकिंग के दौरान यह राशि जप्त की इसके बारे में उक्त वाहन चालक से नकदी के बारे में पूछा गया तो उक्त नकद रुपयों का कोई वैध दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ। इस पर जब्ती जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान इंचार्ज मुकेश चौबीसा, सराड़ा थाना अधिकारी हेमन्त अहारी, एएसआई मांगीलाल , बंसीलाल, कृष्ण कुमार ,हमेर लाल,कार चालक केविलाल मौजूद रहे ।

खड़े ट्रेक्टर से चाबी निकालने का किया प्रयास, टायर के नीचे दबने से युवक की मौत



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. राजसमंद। राजसमंद जिले में केलवा थाना क्षेत्र के सार्दूल गांव में सफाई करते समय चालू ट्रेक्टर को बंद करने के लिए नीचे से आसरे से हाथ ऊपर घुमाया तो चाबी की जगह हाथ गियर पर चला गया और अचानक गियर लगने से ट्रेक्टर आगे सरक गया। ड्राइवर इससे पहिये के नीचे आ गया। गंभीर घायल अवस्था में आरके जिला चिकित्सालय व वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अचानक हुई इस घटना के बाद हर कोई स्तब्ध रह गया। केलवा थाने के सहायक उप निरीक्षक कमलेंद्रसिंह ने बताया कि सार्दुल निवासी मुरलीलाल (32) पुत्र जीतू तेली ट्रेक्टर को स्टार्ट करने के बाद साफ-सफाई के लिए नीचे उतरा। ट्रेक्टर की सफाई करने के बाद खड़े चालू ट्रेक्टर को बंद करने के लिए चाबी घुमाने का प्रयास किया, तभी गियर पर हाथ चला गया। चाबी नहीं निकली और ट्रेक्टर चल पड़ा और नीचे खड़ा ड्राइवर ट्रेक्टर के बड़े टायर तले कुचला गया। एक हाथ व सिर में गंभीर चोट लग गई। उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में उपचार के दौरान मुरलीलाल तेली ने दम तोड़ दिया। केलवा थाने से पुलिस उदयपुर के एमबी चिकित्सालय गई। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद सार्दूल गांव में कोहराम मच गया है।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।